

## रमना काली मंदिर: बांग्लादेश

### प्रलम्बिस के लयि:

रमना काली मंदिर, बांग्लादेश मुकत्त युद्ध ।

### मेन्स के लयि:

लबिरेशन वॉर, भारत-बांग्लादेश संबंघों में बांग्लादेश और भारत की जीत की 50वीं वरषगाँठ ।

## चरचा में क्यौं?

हाल ही में भारतीय राष्ट्रपति ने रमना, ढाका (बांग्लादेश) में पुनर्रमिति रमना काली मंदिर का उदघाटन कयि, जहाँ ऐतहिसकि सुहरावर्दी उदयान (पूर्व रमना रेस कोर्स) स्थति है ।

- पुनर्रमिति रमना कालीबाड़ी का उदघाटन मुकत्तसंग्राम में बांग्लादेश और भारत की जीत की 50वीं वरषगाँठ के साथ हुआ, जो दोनों पक्षों के बीच द्वपिक्षीय संबंघों की स्वर्ण जयंती का भी प्रतीक है ।



## प्रमुख बदि

### ■ परचिय:

- मार्च 1971 में [ऑपरेशन सर्चलाइट](#) के दौरान पाकस्तानी सेना द्वारा मंदिर को नष्ट कर दयि गया था और करूर कार्रवाई के कारण नरसंहार हुआ एवं [बांग्लादेश मुकत्त युद्ध](#) हुआ ।
  - मार्च 1971 में पश्चमि पाकस्तान ने बंगालवासियों के आत्मनरिणय को दबाने के लयि पूर्वी पाकस्तान में एक नरसंहार का नेतृत्व कयि । पूर्वी पाकस्तान ने बांग्लादेश में जनवादी गणराज्य की स्थापना हेतु लड़ाई लड़ी और जीत हासलि की । बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत ने महत्त्वपूर्ण भूमकि नभाई ।
- पाकस्तान से मुक्त होने के बाद बांग्लादेश के लोगों द्वारा प्रार्थना करने के लयि साइट पर एक छोटा मंदिर स्थापति कयि गया ।
- वरष 2017 में परसिर के पुनर्रमिाण की घोषणा उस समय की गई थी, जब तत्कालीन भारतीय वदिश मंत्री ने बारीधारा, ढाका में 15 वकिस परयोजनाओं का उदघाटन कयि ।

- ऐतिहासिक रमना काली मंदिर भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक बंधन का प्रतीक है।
- **रमना काली मंदिर:**
  - माना जाता है कि देवी काली को समर्पित इस मंदिर का निर्माण मुगल काल के दौरान किया गया था। इसे 400 साल पुराना माना जाता है, हालाँकि यह बताना मुश्किल है कि इसे किस वर्ष बनाया गया था।
  - यह मंदिर एक हिंदू संप्रदाय द्वारा बनाया गया था, लेकिन यह पहचान करना मुश्किल है कि इसे किसने बनाया था। हालाँकि ऐसा कहा जाता है कि निश्चित ही इसे हरचरण गरि द्वारा बनाया गया था जो मंदिर में महंत थे।
  - यह एक बहुत बड़ा मंदिर नहीं था और वास्तुकला के मामले में काफी सामान्य था, हालाँकि यह ढाकेश्वरी मंदिर के बांग्लादेश में दूसरा सबसे पुराना हिंदू मंदिर है।
  - 20वीं शताब्दी की शुरुआत में मंदिर को तब प्रमुखता मिली जब प्रसिद्ध संत माँ आनंदमयी ने अपने आश्रम को परसिर में बनाया।
    - आनंदमयी को लोकप्रिय रूप से "शाहबाग-एर मा" या शाहबाग की माँ के रूप में संबोधित किया जाता था।
- **मंदिर और युद्ध:**
  - 27 मार्च, 1971 को पाकिस्तानी सेना द्वारा मंदिर को नष्ट कर दिया गया तथा पुजारियों और भक्तों सहित 85 हिंदुओं की हत्या कर दी गई।
  - 7 मार्च, 1971 को मंदिर तोड़े जाने से कुछ दिन पहले बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान ने रमना रेसकोर्स मैदान में अपना ऐतिहासिक भाषण दिया जिसमें उन्होंने स्वतंत्रता हेतु संघर्ष के लिये बंगालियों का आह्वान किया था।
    - बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान (1920-1975) बांग्लादेश के संस्थापक नेता और देश के पहले प्रधानमंत्री थे।

## भारत-बांग्लादेश संबंध



- **सैन्य सहयोग:**
  - बांग्लादेश सरकार ने अपनी सीमाओं से भारत वरिधी उग्रवादी तत्त्वों को समाप्त करने का कार्य किया है जिसके परिणामस्वरूप भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के सबसे शांतपूरण क्षेत्रों में से एक बन गई है।
  - इसने भारत को अपनी अधिक विवादास्पद सीमाओं पर सैन्य संसाधनों की बड़े पैमाने पर पुनः तैनाती करने की अनुमति दी है।
- **भूमि सीमा समझौता:**
  - वर्ष 2015 में बांग्लादेश और भारत ने ऐतिहासिक भूमि सीमा समझौते (Land Boundary Agreement) की पुष्टि कर अपनी सीमाओं से संबंधित मुद्दों को शांतपूरणक हल करने के क्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।
- **व्यापार संबंध:**
  - बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में भारत से बांग्लादेश को किया जाने वाला निर्यात 9.21 बिलियन डॉलर और आयात 1.04 बिलियन डॉलर का था।
  - इसके साथ ही भारत ने कई बांग्लादेशी उत्पादों को शुल्क मुक्त पहुँच प्रदान करने की पेशकश भी की है।
- **विकास के क्षेत्र:**
  - विकास के मोर्चे पर भी दोनों देशों के बीच सहयोग में वृद्धि हुई है। हाल के वर्षों में भारत ने सड़कों, रेलवे, पुलों और बंदरगाहों के निर्माण हेतु बांग्लादेश को 8 बिलियन डॉलर की राशिलाइन ऑफ क्रेडिट (एक प्रकार का ऋण) के रूप में प्रदान की है।
- **बेहतर कनेक्टिविटी:** दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी में बहुत अधिक सुधार हुआ है।
  - कोलकाता और अगरतला के बीच एक सीधी बस सेवा (ढाका से होते हुए) शुरू होने से दोनों स्थानों के बीच यात्रा के लिये केवल 500 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जबकि चिकेन नेक के माध्यम से यात्रा करने पर 1,650 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।
  - बांग्लादेश अपने मोंगला और चटोग्राम (चटगाँव) बंदरगाह से माल ढुलाई की अनुमति देता है, जहाँ से सड़क, रेल और जलमार्ग के माध्यम से माल को अगरतला तक पहुँचाया जाता है।
- **सहयोग के नए क्षेत्र:**
  - भारत आने वाले पर्यटकों में एक बड़ा हिस्सा बांग्लादेशी पर्यटकों का है, वर्ष 2017 में पश्चिमी यूरोप से आने वाले पर्यटकों के आँकड़ों को

पीछे छोड़ते हुए भारत आने वाले पर्यटकों में से प्रत्येक पाँचवाँ पर्यटक बांग्लादेश से था ।

- भारत के अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा रोगियों (इलाज हेतु अन्य देशों से भारत आने वाले मरीज़) में 35% से अधिक हस्तिसेदारी बांग्लादेश की है और भारत के राजस्व में 50% से अधिक योगदान चिकित्सा यात्रा का है ।

■ **हालिया वक़ास:**

- इससे पूर्व वर्ष 1971 के भारत-पाकस्तान युद्ध, जसिमें बांग्लादेश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई, के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बांग्लादेश सशस्त्र बलों (Bangladesh Armed Forces) के 122 सदस्यीय दल ने भारत की 72वीं गणतंत्र दविस परेड में हस्तिसा लयिा ।

**स्रोत: द हद्वि**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ramna-kali-temple-bangladesh>

